Govt.of MadhyaPradesh
मध्य प्रदेश शासन

Office of the Field Director
Panna Tiger Reserve
Panna, Madhya Pradesh, (India)
Phone No. +917732-252135 (O) **Fax,** +917732-252120
E-mail: fdptr@rediffmail.com **Website:** www.pannatigerreserve.in

Panna Tiger Reserve
पन्ना टाईगर रिजर्व

टाईगर बुलेटिन –2012 (1)

टी–1 के दूसरे लिटर का चौथा अनाथ नर शावक

जैसा कि यह विदित है कि टी–1 के द्वारा दूसरी बार दिनांक 16–17 फरवरी 2012 को 04 शावकों को जन्म दिया गया था। उक्त शावकों का उनके द्वारा दिनांक 29.3. 2012 तक प्रथम गुफा स्थान पर ही पालन पोषण किया गया। दिनांक 29.3.2012 को उनके द्वारा पहली बार मध्य रात्रि के समय 02 शावकों को पन्ना पार्क में ही लगभग 2 कि.मी. दूर दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित किया गया। उसी दिन रात को दोबारा एक और शावक को भी

नये स्थान पर स्थानान्तरित किया गया। परन्तु उनके द्वारा चौथे नर शावक को नई जगह पर स्थानान्तरित नहीं किया गया। लगभग 60 घंटे की अवधि के बाद टी–1 ने दिनांक 2.4.2012 को 11 घंटे से अधिक समय पहली गुफा के स्थान पर (जहां पर चौथे शावक को छोड़ दिया

था) बिताया। संभवतः उस समय पर उनके द्वारा छोड़े हुए शावक को दूध भी पिलाया। परन्तु जब दिनांक 2.4.2012 को उस स्थान से वह चल पड़ी तो चौथे शावक को अपने साथ नहीं ले गई। दिनांक 2.4.2012 से आज की स्थिति में लगभग पूरे 10 दिन बीत चुके हैं परन्तु टी–1 के द्वारा इस शावक की ओर वापस भी नहीं आई।

पार्क प्रबन्धन के द्वारा इस बाघ शावक की गम्भीरता व संवेदना को ध्यान में रखते हुए इस शावक की लगातार निगरानी दूर से उनके आवाज के माध्यम से की जाती रही। मौके पर आवश्यकतानुसार दिनांक 1.4.2012, 4.4.2012, 5.4.2012, 6.4.2012, 9.4.2012, एवं 10.4.2012 को कम से कम व्यक्तियों की मदद से वन्य प्राणी चिकित्सक एवं भारतीय वन्यजीव संस्थान की टीम की मदद से सर्च किया गया। मानव दखलनदाजी को कम करने की दिशा में कैमरा टपस् लगाये गये। दिनांक 9.4.2012 को शावक की बिगड़ते हुए स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उसे दूध एवं ग्लूकोज के पानी की व्यवस्था की गई। कैमरा ट्रेप्स से प्राप्त किये गये फोटो एवं वीडियो के माध्यम से शावक के स्वास्थ्य की बराबर निगरानी की जा रही है। यह व्यवस्था इस उद्देश्य से की गई है कि टी–1 इस नर शावक को अपना ले व नये गुफा पर ले जाय। परन्तु विगत 10 दिनों से ऐसा न होने से यह स्पष्ट हो रहा है कि टी–1 इस नर शावक को लगभग त्याग दी है। अतः आज दिनांक 12.4.2012 को इस शावक को मौके से अलग करते हुए पूर्ण रूपेण कृत्रिम रूप से इसका स्वास्थ्य बेहतर करने की दिशा में शावक को सफलतापूर्वक गुफा से बाहर निकाल कर कार्यवाही जारी है।यह स्वाभाविक बात है कि प्रकृति में शेर व तेंदुओ के द्वारा कुछ शावकों को अपने विवेक के अनुसाार (खासकर कमजोर या बीमार आदि कारणों से) त्याग देते हैं। पूरे कार्यवाही में जैसा कि पन्ना पार्क का मूल सूत्र प्रबन्धन है (प्रबन्धन व सुरक्षा पार्क की जिम्मेदारी है, श्रृजन का कार्य प्रकृति का है) इस उद्देश्य से पार्क प्रबन्धन द्वारा कार्यवाही की गई है। इस पूरे प्रकरण में लगातार अलग–अलग विशेषज्ञों भारतीय वन्यजीव संस्थान एवं मुख्यालय से सतत सम्पर्क जारी है।

जय हिन्द, जय भारत

दिनांक – 12.04.2012

क्षेत्र संचालक
पन्ना टाईगर रिजर्व, पन्ना